

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

## कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल संरक्षण आदि विषयों पर हुआ मंथन



### ▪ दस्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय 'इन्टरनेशनल कांफ्रेन्स ऑन इनोवेशन एण्ड एडवान्सेज इन इन्टरडिसिप्लीनरी रिसर्च' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल सत्तार ने कही। उन्होंने आगे आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक के भविष्य पर अपनी बात रखते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता, प्रेसिजन फार्मिंग, फूड सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेन्ट, पर्यावरण सन्तुलन आदि क्षेत्रों में बेहद कारोर एवं प्रभावी साबित होगी। साउथ ईस्ट

विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाइना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिये हर सुविधाओं के लिये तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि शोध का अनन्तिम लक्ष्य मानव हित होना चाहिए। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी शोध के महत्व को समझते हुए पहले से ही राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। कान्फ्रेन्स वर्ल्ड की सदस्या रेख गुप्ता ने शोधाधिर्थों को अन्तरविषयी शोध के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. गुलजार

अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. नीलू जैन, नूरा याकूब और लोन फैसल द्वारा सम्पादित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कॉन्फ्रेन्स प्रेसिडिंग का अनावरण भी किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में मेवाड़ अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय नाईजीरिया के कुलपति प्रो. मुहम्मद टंको ने, डॉ. सुचिस्मिता पाठक और प्रो. बाब्यो मुहम्मद टुकुर ने भी अपने विचार रखें। स्वागत भाषण संयोजक नूरा याकूब ने किया। संचालन नुहू बॉबी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक लोन फैसल ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर. राजा, दूसरे तकनीकी सत्र की

अध्यक्षता प्रो. हरि सिंह चैहान तथा तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सोनिया सिंगला ने की। इन सत्रों में डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. मनोज लाखन डॉ. रमगोपाल धाकड़, दीपक जोधी, मीर महरीना, असमता जान, डॉ. डीके वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय, अभिषेक उग्राध्याय, रितेष ओझा, कोमल यादव आदि ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती बन्दना, कुलगीत तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर ओएसडी एच. विधानी, उपकुलपति दीसी शास्त्री, डायरेक्टर हरिश गुरनानी, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. येम्मानुर सुदर्शन, डॉ. आर.एस. राणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

संगोष्ठी के पहले दिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल संरक्षण आदि विषयों पर हुआ मन्यन

अन्तर्राष्ट्रीय शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित संगोष्ठी में देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी ले रहे हैं भाग

## राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीव को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज हैं। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय 'इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑफ इनोवेशन एण्ड एडवार्सेज इन इन्टरडिसिप्लीनरी रिसर्च' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में बतार मुख्य अतिथि ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल सत्तार ने कही। उन्होंने आगे आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता, प्रेसजन कार्मिंग, फूड सिक्यूरिटी, डिजास्टर मैनेजमेंट, पर्यावरण सन्तुलन आदि क्षेत्रों में बेहद कारसर एवं प्रभावी साचित होगी। साउथ ईंस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. गजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिये

हर सुविधाओं के लिये तैयार है। उन्होंने अगे कहा कि शोध का अनन्त्रिम लक्ष्य मानव हित होना चाहिए। कुलाधिपति प्रो. अलोक मिश्रा ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय शोध के महत्व को समझते हुए पहले से ही गट्टीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। विषय की प्रतिस्थापना करते हुए प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने शोध को मानव जीवन का अधिक अंग क्वाते हुए कहा कि शोध व्यक्ति को परिष्कृत करता है, तृनिया को बेहतर क्वाता है। इसीलिये शोध में लगन का

हेमा बेहद जरूरी है। कान्फेन्स बर्लिंग की सदस्या रेणु गुप्ता ने शोधाधिकारीयों को अन्तर्राष्ट्रीय शोध के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. गुलजार अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. नीलू जैन, नूरा याकूब और लोन पैसल द्वारा सम्पादित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी की कॉन्फ्रेन्स प्रोसेसिङ का अनावरण भी किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में मेवाड़ अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय नाईजीरिया के कुलाधिपति प्रो. मुहम्मद टंको ने, डॉ.



## प्रादेशिक/विविध

जयपुर, मंगलवार, 29 नवम्बर 2022

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

संगोष्ठी के पहले दिन कृतिम बुद्धिमत्ता जल संरक्षण आदि विषयों पर हुआ मन्थन, अन्तर्राष्ट्रीय शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित संगोष्ठी में देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी ले रहे हैं भाग

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बहुद अभूतपूर्व खोज है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय 'इन्डस्ट्रीशनल कॉफ्रेन्स ऑन इनोवेशन एण्ड एडवासेज इन इन्टरडिसिप्लीनरी रिसर्च' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अधिकारी गिफ्टिंग विश्वविद्यालय औस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल सत्तार ने कही। उहोने आगे अटिरिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक के भविष्य पर अपनी बात रखते हुए कहा कि अटिरिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता, प्रेसिजन फार्मिंग, फूड सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेन्ट, पर्यावरण सन्तुलन आदि क्षेत्रों में बहुद कारार एवं प्रभावी साबित होगी। साउथ ईस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं



के बारे में बात करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिये हर सुविधाओं के लिये तैयार है। उहोने आगे कहा कि शोध का अनन्तिम लक्ष्य मानव हित होना चाहिए। कुलपति प्रो. अलोक मिश्रा ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय शोध के महल को समझते हुए पहले से ही राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। विषय की प्रतिस्थापना करते हुए प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने शोध को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि शोध व्यक्ति को परिष्कृत करता है तुनिया को

बेहतर बनाता है। इसीलिये शोध में लगन का होना बहुद जरूरी है। कॉफ्रेन्स वर्ल्ड की सदस्या रेखा गुरा ने शोधार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय शोध के लिये प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ. गुलजार अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. नीलू जैन, नूर याकूब और लोन फैसल द्वारा सम्पादित अंतर्राष्ट्रीय सांगीची की कॉफ्रेन्स प्रेसिडिंग का अनावरण भी किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय सोशोशी के ज्याइंट सेक्रेटरी डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में मेवाड़ अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय नाइंजीरिया के कुलपति प्रो. मुहम्मद

टको ने, डॉ. सुचिमिता पाठक और प्रो. बाबू मुहम्मद दुकुर ने भी अपने विचार रखे। स्वागत भाषण संयोजक नूर याकूब ने किया। संचालन नुह बॉवी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहस्योजक लोन फैसल ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर गजा, दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. हरि सिंह चैहान तथा तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सोनिया सिंगला ने की। इन सत्रों में डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. मनोज लाखन डॉ. गमगोपाल धाकड़, दीपक जोधी, मीर महरीना, असमत जान, डॉ. डीके वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय, अधिकारी उपाध्याय, रितेश ओझा, कामल यादव आदि ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती बन्दना, कुलगीत तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर ओएसडी एच. विधानी, उपकुलपति दीपी शास्त्री, डायरेक्टर हरिश गुरुनानी, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. येमानुर सुदर्शन, डॉ. आर.एस. गणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पहले दिन कृत्रिम बुद्धिमता जल संरक्षण पर हुआ मन्थन

## मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

गंगरार, 28 नवम्बर (जस.)। कृत्रिम बुद्धिमता मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज है।

उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में 'इन्स्ट्रेशनल कॉफेन्स' ऑन इनोवेशन एण्ड एडवान्सेज इन इन्टरडिसिलीनरी रिसर्च विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अधिकारी गिफ्टिंग विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल सत्तार ने कही। उन्होंने आगे आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक के विषय पर अपनी बात सुनते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता, प्रेसिजन फार्मिंग, फूट सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेन्ट, पर्यावरण संरक्षण आदि क्षेत्रों में बेहद कारगर एवं प्रभावी साक्षित होगी।

साउथ ईस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर -शोध पत्र प्रस्तुत किया। कुलाधिकारी डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने



के लिये हर सुविधाओं के लिये तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि शोध का अन्तिम लक्ष्य मानव हित होना चाहिए। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय शोध के महत्व को समझाते हुए पहले से ही राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। विषय की प्रतिस्थापन करते हुए प्रतिकुलपति आनन्दवर्धन शुक्ल ने -शोध को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि शोध व्यक्ति को परिष्कृत करता है, दुनिया को बेहतर बनाता है। इसीलिये शोध

में लगन का होना बेहद जरूरी है। कॉफेन्स वर्ल्ड की सदस्या रेशु गुप्ता ने शोधाधिकारी को अन्तर्राष्ट्रीय शोध के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. गुलजार अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. नीलू जैन, नूरा याकूब, और लोन फैसल द्वारा सम्पादित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कॉफेन्स प्रोसिडिंग का अनावरण भी किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ज्वाइंट सेकेट्री डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में मेवाड़ अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय नाईजीरिया

के कुलपति प्रो. मुहम्मद टंको, डॉ. सुचिस्मिता पाठक और प्रो. बाबूगो मुहम्मद टुकुर ने भी अपने विचार रखे। स्वागत भाषण संयोजक नूरा याकूब ने दिया।

संचालन नुहू बॉवी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक लोन फैसल ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर राजा, दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. हरि सिंह चौहान तथा तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सोनिया सिंगला ने की। इन सत्रों में डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. मनोज लाखन डॉ. रामगोपाल धाकड़, दीपक जोधी, मीर महरीना, असमत जान, डॉ. डीके वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय, अभिषेक उपाध्याय, रितेष ओझा, कोमल यादव आदि ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर ओएसडी एच. विधानी, उपकुलपति दीपी -शास्त्री, डायरेक्टर हरिश गुरनानी, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. येमानुर सुदर्शन, डॉ. आर.एस. राणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# मेवाड़ विवि में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

चित्तौड़गढ़। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज है। उक्त विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय में इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन इनोवेशन एण्ड एडवान्सेज इन इन्टरडिसीप्लीनरी रिसर्च विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि प्रिप्पिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल सशार ने कही। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता, प्रेसिजन फार्मिंग, फूड सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेन्ट, पर्यावरण सन्तुलन आदि क्षेत्रों में बेहद कारगर एवं प्रभावी साबित होगी। साउथ ईस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।



चित्तौड़गढ़। कॉन्फ्रेन्स प्रोसिडिंग का अनावरण करते अतिथि।

पीयूष

कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तर विषयी एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिये हर सुविधाओं के लिये तैयार है। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय अन्तर्विषयी शोध के महत्व को समझते हुए पहले से ही राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने शोध को

मानव जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि शोध व्यक्ति को परिष्कृत करता है, दुनिया को बेहतर बनाता है। रेणु गुसा ने शोधार्थियों को अन्तर्विषयी शोध के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. गुलजार अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. नीलू जैन, नूरा याकूब और लोन फैसल द्वारा सम्पादित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कॉन्फ्रेन्स प्रोसिडिंग का अनावरण भी किया गया।

Pratahkal 29-11-2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन

## अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित हो रहा है दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी ले रहे हैं भाग

### राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए मेवाड़ विश्वविद्यालय चित्तौड़गढ़ में 28 और 29 नवम्बर को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होने जा रहा है। जिसमें देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी और विद्वान भाग लेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक नूरा याकुबु और सह संयोजक फैसल लोन ने बताया कि नई शिक्षा नीति में अन्तरविषयी पाठ्यक्रम और शोध को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न प्रावधान किये गये हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि विभिन्न शैक्षणिक

एवं शोध संस्थान इस तरह के विमर्श को केन्द्र में रखकर इस तरह के नवाचार प्रयास करें। जिससे कि शोधार्थी और विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ० गुलजार अहमद ने बताया कि अन्तरराष्ट्रीय जगत में अन्तरविषयी शोध को लेकर क्या नवाचार हो रहे हैं और इसे किस तरह बढ़ाया जाये, इसलिये यह सम्मेलन आयोजित किया गया है। डॉ० गुलजार न बताया कि उद्घाटन समारोह में ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया से प्रो० अब्दुल सत्तार तथा साउथईस्ट विश्वविद्यालय नानजिंग चाईना से प्रो० राजेंद्र प्रसाद मुख्य अतिथि एवं सारस्वत अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे हैं। इसमें देश भर से तथा विदेशों से भी 40 से भी अधिक शोधार्थी एवं विद्यार्थी शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे और अपने विमर्श रखेंगे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

# संगोष्ठी के पहले दिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल संरक्षण आदि विषयों पर हुआ मंथन

अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित संगोष्ठी में देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी ले हहे हैं भाग

चमकता राजस्थान

चिन्हांडगढ़ (अमित कुमार चेचानी)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय 'इन्टरनेशनल कांफ्रेन्स अँन इनोवेशन एण्ड एडवान्सेज इन इन्टरडिसीप्लीनरी रिसर्च विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी' के पहले दिन उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ग्रिफिथ निश्विद्यालय ऑस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल मतार ने कही। उन्होंने आगे आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक के भविष्य पर अपनी बात रखते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक प्रदर्शन, जल की गुणवत्ता, प्रेसिजन फार्मिंग, फूड सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेंट, पर्यावरण सञ्चालन आदि शंक्रों में बेहद कारगर एवं प्रभावी



सावित होगी। साउथ ईस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिये हर सुनिधाओं के लिये तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि शोध का अनन्तिम लक्ष्य मानव हित होना चाहिए। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी शोध के

महत्व को समझते हुए पहले से ही राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर गर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। विषय की प्रतिस्थापना करते हुए प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने शोध को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि शोध व्यक्ति को परिष्कृत करता है, दुनिया को बेहतर बनाता है। इसीलिये शोध में लगन का होना बेहद जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के ज्ञाइंट संक्रेटरी डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में मेवाड़ अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय नाईजीरिया के कुलपति प्रो. मुहम्मद टंको ने, डॉ.

सुचिस्मिता गाटक और प्रो. बाबयो मुहम्मद टुकुर ने भी अपने विचार रखें। स्वागत भाषण संयोजक नूरा याकुबू ने किया। संचालन उहू बांबी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक लोन फैसल ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर राजा, दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. हरि सिंह चैहान तथा तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सोनिया सिंगला ने की।

इन सत्रों में डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. मनोज लाखन डॉ. रामगोपाल धाकड़, दीपक जोशी, मीर महरीना, असमता जान, डॉ. डीके वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय, अभिषेक उपाध्याय, रितेष ओझा, कोमल यादव आदि ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर ओएसडी एच. विश्वानी, उपकुलपति दीमी शास्त्री, डायरेक्टर हरिश गुरनानी, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. येमानुर सुदर्शन, डॉ. आर.एस. राणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित हो रहा है दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी ले रहे हैं भाग न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए मेवाड़ विश्वविद्यालय चित्तौड़गढ़ में 28 और 29 नवम्बर को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होने जा रहा है। जिसमें देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी और विद्वान भाग लेंगे। इस अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक नूरा याकुबु और सह संयोजक फैसल लोन ने बताया कि नई शिक्षा नीति में अन्तरविषयी पाठ्यक्रम और शोध को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न प्रावधान किये गये हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध संस्थान इस तरह के विमर्श को केन्द्र में रखकर इस तरह के नवाचार प्रयास करें। जिससे कि शोधार्थी और विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ गुलजार अहमद ने बताया कि अन्तरराष्ट्रीय जगत में अन्तरविषयी शोध को लेकर क्या नवाचार हो रहे हैं और इसे किस तरह बढ़ाया जाये, इसलिये यह सम्मेलन आयोजित किया गया है। डॉ गुलजार न बताया कि उद्घाटन समारोह में ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया से प्रो० अब्दुल सत्तार तथा साउथर्झस्ट विश्वविद्यालय नानजिंग चाईना से प्रो० राजेंद्र प्रसाद मुख्य अतिथि एवं सारस्वत अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे हैं। इसमें देश भर से तथा विदेशों से भी 40 से भी अधिक शोधार्थी एवं विद्यार्थी शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे और अपने विमर्श रखेंगे।